www.sgbauonline.com

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का कल्पना विस्तार कीजिए। 5

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

अथवा

दर्पण तोड़ देने से कुरूपता नहीं जाती।

(ग) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **तीन** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :- 3

(i) अंधे की लकड़ी।

(ii) आटे-दाल का पता चलना।

(iii) अक्ल का दुश्मन।

(iv) दाँतों तले उँगली दबाना।

(v) बीड़ा उठाना।

(vi) नानी याद आना।

(घ) निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किन्हीं **दो** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :- 2

(i) ऊँची दुकान फीका पकवान।

(ii) प्यास लगने पर कुआँ खोदना।

(iii) खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है।

(iv) कोयले के दलाली में हाथ काले होना।

(ङ) अपने मुहल्ले की गंदगी के बारे में महानगरपालिका के स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत पत्र लिखिए। 5

अथवा

पिताजी को पुस्तक खरेदी करने हेतु राशि भेजने का पत्र लिखिए।

B.A. (Part–II) Examination
HINDI (Compulsory)
(Modern Indian Language)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 70

सूचना :— सभी प्रश्न करें।

1. दीर्घोत्तरी प्रश्न : (आधारभूत पाठ्यक्रम)

(क) दिनकर के अनुसार 'स्वतंत्रता के बाद' साहित्य ने अपना दायित्व कैसे निर्वाह किया है ? 10

अथवा

भय के कारण बताते हुए भर दूर करने के उपाय बताइए।

(ख) लघूत्तरी प्रश्न (किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए) :- 10

(i) नाखुनों का बढ़ना पशुता की प्रवृत्ति है पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ii) स्वामी विवेकानंदजी ने युवाओं को कौन-सा संदेश दिया है ?

(iii) भोपाल में हुई गैस त्रासदी का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) मंदसौर सीमेंट कारखाने के प्रदूषण का प्रभाव वहाँ के जनजीवन पर किस प्रकार पड़ा ?

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (भाषागत पाठ्यक्रम) :- 10

(क) 'विद्या और वय' निबंध में घुमक्कड़ को कौन-सी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ? निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'हार की जीत' कहानी मानव जीवन का आईना है।' कथन को सिद्ध कीजिए।

(ख) लघूत्तरी प्रश्न (किन्हीं दो के उत्तर लिखिए) :- 10

(i) आईन्स्टाइन के बाल्यकाल और शिक्षा-दीक्षा का वर्णन कीजिए।

(ii) समाधि भाई रामसिंह का चरित्र-चित्रण संक्षेप में कीजिए।

(iii) भ्रष्टाचार को मिटाने हेतु दरबारियों ने कौन-कौन से उपाय बनाए ?

(iv) 'प्राप्त का सुख अप्राप्त का दुख' निबंध के द्वारा लेखक कौन-सा संदेश देना चाहते हैं ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- 10

(क) शिव मंगल सिंह सुमन लिखित 'मैं मनुष्य के भविष्य से नहीं निराश' कविता का भावार्थ लिखिए।

(ख) 'लीक पर चले' कविता का मर्म स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(ग) "लहरों का निमंत्रण" कविता में कवि के भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) "उद्धव ब्रज गमन" में व्यक्त गोपियों के विरह का वर्णन कीजिए।

4. व्यावहारिक भाषा एवं व्याकरण अपठित :

गद्यांश का **एक तिहाई** सार लिखकर उचित शीर्षक दीजिए। 5

(क) विधाता ने हमें दशेंद्रिय दिए है। यह मानव को ईश्वर की बड़ी देन है। परंतु ईश्वर द्वारा दी हुई इंद्रियों में समानता नहीं पाई जाती है। हमें ईश्वर ने दो आँखें, दो कान, दो हाथ, दो पैर, एक ही मुँह दिया है। इन इंद्रियों से ही मनुष्य सामर्थ्यशाली बना है।

विधाता का हमें दो आँखें देने का मतलब यही है कि शत्रु और मित्र को देखने की हमारी दृष्टि समान हो। दो कान इसलिए दिए हैं कि एक कान से अच्छाई सुने और दूसरे कान से बुराई छोड़ दें। दो हाथ इसलिए दिए हैं कि वह एक हाथ से लें और दूसरे हाथ से बाँटते रहें। दो पैर इसलिए दिए हैं कि हम कदम-कदम मिलाते हुए देश की ताकत बढ़ाएं। विधाता ने हमें एक ही मुँह दिया है, इसका कारण क्या है ? इसलिए कि वह मर्यादा पुरुषोत्तम राम की तरह एक वचनी हो। देश के लिए वचनबद्ध हो। इस लोक-कल्याण की भावना में समस्त मानवजाति का कल्याण निहित है।

www.sgbauonline.com